



धनी होने के लिए श्रम न करें: अपनी बुद्धि से दूर रहें। क्या तू उस पर अपनी दृष्टि लगाएगा जो नहीं है? धन के लिए निश्चित रूप से पंख लग जाते हैं; वे उकाब की नाई आकाश की ओर उड़ जाते हैं। नीतिवचन 23:4-5



उस ने उन से कहा, चौकस रहो, और लोभ से सावधान रहो, क्योंकि मनुष्य का जीवन उसकी संपत्ति की बहुतायत से नहीं होता। फिर उस ने उन से यह दृष्टान्त कहा, कि किसी धनवान की भूमि में बड़ी उपज हुई: और वह अपने मन में सोचने लगा, कि मैं क्या करूं, क्योंकि मेरे पास जगह नहीं, कि अपने फल दूं? उस ने कहा, मैं यह करूंगा: मैं अपनी बखारियां ढाकर उन से बड़ी बनाऊंगा; और वहीं मैं अपना सब फल और संपत्ति दूंगा। और मैं अपने प्राण से कहूंगा, प्राण, तेरे पास बहुत वर्षों के लिये बहुत माल रखा है; चैन कर, खा पी, सुख से रह। परन्तु परमेश्वर ने उस से कहा, हे मूर्ख, इसी रात तेरा प्राण तुझ से ले लिया जाएगा: तब जो कुछ तू ने इकट्ठा किया है वह किसका होगा? ऐसा ही वह भी है जो अपने लिये धन बटोरता है, और परमेश्वर की दृष्टि में धनी नहीं। लूका 12:15-21

...बच्चों, धन पर भरोसा रखने वालों के लिए परमेश्वर के राज्य में प्रवेश करना कितना कठिन है! मार्क 10:24

यदि मनुष्य सारे जगत को प्राप्त करे, और अपने प्राण की हानि उठाए, तो उसे क्या लाभ होगा? या मनुष्य अपने प्राण के बदले में क्या देगा?

मार्क 8:36-37

जो रुपये से प्रीति रखता है, वह रूपए से तृप्त न होगा; और न वह जो बहुतायत से प्रीति रखता है, और न बढ़ती से: यह भी व्यर्थ है।

सभोपदेशक 5:10

अपना स्नेह ऊपर की वस्तुओं पर रखो, न कि पृथ्वी की वस्तुओं पर।
कुलुस्सियों 3:2

पर संतुष्टि के साथ धर्मनिष्ठा बहुत बड़ा लाभ है। क्योंकि हम इस संसार में कुछ भी नहीं लाए हैं, और यह निश्चित है कि हम कुछ भी नहीं ले जा सकते। और भोजन और वस्त्र पाकर हम उसी में सन्तोष करें।

1 तीमुथियुस 6:6-8

अन्धेर पर भरोसा न रखना, और लूटपाट पर मत फूलना; यदि धन बढ़ जाए, तो उस से मन न लगाना। भजन 62:10

चोरी करनेवाला फिर चोरी न करे, पर भले काम करने में अपने हाथोंसे परिश्रम करे, इसलिये कि जिसको प्रयोजन हो उसे देने के लिये उसके पास कुछ हो। इफिसियों 4:28

जो कुछ तुम्हारे पास है उसे बेचकर दान दो; अपने लिये ऐसी थैलियाँ रखो जो पुरानी नहीं होती, स्वर्ग में ऐसा धन है जो घटता नहीं, जहाँ न चोर आता है और न कीड़ा बिगाड़ता है। क्योंकि जहाँ तुम्हारा खजाना है, वहीं तुम्हारा हृदय भी होगा। लूका 12:33-34

परन्तु जब तू दान करे, तो जो तेरा दाहिना हाथ करता है, उसे तेरा बाया हाथ न जानने पाए; जिस से तेरा दान गुप्त रहे; और तेरा पिता जो गुप्त में देखता है, तुझे प्रतिफल देगा। मत्ती 6:3-4

क्या ही धन्य है वह जो कंगाल की सुधि रखता है; विपत्ति के समय यहोवा उसको छुड़ाएगा॥ भजन 41:1

गरीबों और अनाथों की रक्षा करें: पीड़ित और जरूरतमंदों का न्याय करें। भजन 82:3

जो अपने धन पर भरोसा रखता है वह गिर जाता है; परन्तु धर्मी लोग डाली की नाई फूले फलेंगे। नीतिवचन 11:28

कोई अपने आप को धनी बनाता है, परन्तु उसके पास कुछ नहीं होता; कोई अपने आप को कंगाल बनाता है, परन्तु उसके पास बहुत धन होता है। नीतिवचन 13:7

जो अपने पड़ोसी को तुच्छ जानता, वह पाप करता है, परन्तु जो दीन लोगोंपर अनुग्रह करता, वह धन्य होता है। नीतिवचन 14:21

जो कंगाल पर अनुग्रह करता है, वह यहोवा को उधार देता है; और जो कुछ उसने दिया है, वह उसे फिर चुकाएगा। नीतिवचन 19:17

बड़े धन से अच्छा नाम अधिक चाहने योग्य है, और सोने चान्दी से और कृपादृष्टि उत्तम है। नीतिवचन 22:1

जिसकी आँख भरपूर है वह धन्य होगा; क्योंकि वह अपनी रोटी में से कंगालोंको देता है। नीतिवचन 22:9

जो कंगाल को दान देता है उसे घटी न होगी, परन्तु जो उस से आँख फेर लेता है उस पर बहुत श्राप होता है। नीतिवचन 28:27